75	य द्रोणी काष्ठाम्बुवाव्िनी।	
76	नीकाद्एडः त्रेपणी स्या-	
77	हुणवृत्तस्तु कूपकः ॥ ८७७ ॥	
78	पोलिन्दास्वन्तराद्गाडाः जनानेनुमनोप	
79	स्याद्मङ्गो मङ्गिनीशिरः।	200
80	म्रिम्तु काष्ठकुद्दालः	
81	सेकपात्रं तु सेचनम् ॥ द७द ॥	
82	केनिपातः कोरिपात्रमध्त्रि ।	
83	ज्याडुपः प्रवः । जिल्लामा	
84	कोलो भेलस्तर्एउश्च	
85	स्यात्तर्पएयमातरः ॥ ८७६ ॥	
86	वृद्धातीवो दैगुणिको वार्षुषिकः कुसीद्कः ।	
87	वार्षिय	
88	कुसीदार्घप्रयोगा वृद्धितीवने ॥ ८८० ॥	a
89	वृद्धिः कलात्तर्-।	
90	मृणां तूद्भारः पर्युद् सनम्।	
91	याज्ञयातं याचितकं	

75. Boot zum Holz- und Wassertransport. — 76. Ruder. — 77. Pfosten, an den ein Boot gebunden wird (2 W.). — 78. Die Masten eines Schiffes. — 79. Vordertheil des Schiffes. — 80. Hölzerner Spatel, mit dem ein leckes Schiff wieder ausgebessert wird. — 81. Gefäss, um das Wasser im Schiffe auszuschöpfen. — 82. Steuerruder (3 W.). — 83. 84. Nachen (5 W.). — 85. Fährgeld. — 86. 87. Wucherer (5 W.). — 88. Wucher (2 W.). — 89. Zinse (2 W.). — 90. Schuld (3 W.). — 91. Die geborgte Summe.